Test Cloud

# Daily करेंट अफेयर्स

## 10 अक्टूबर 2025

## NATIONAL AFFAIRS

### 1. कैबिनेट समिति ने पीएम गति शक्ति के तहत 24,634 करोड़ रुपये की रेलवे मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी।

अक्टूबर 2025 में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (CCEA) ने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ में प्रमुख मार्गों पर कनेक्टिविटी बढ़ाने और भीड़भाड़ कम करने के लिए PM गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (PMGS-NMP) के तहत रेल मंत्रालय (MoR) की 24,634 करोड़ रुपये की चार मल्टी-ट्रैकिंग रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी।

- **चार नव स्वीकृत मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से भारतीय रेलवे (IR) नेटवर्क का लगभग 894 किलोमीटर तक विस्तार होगा, जिससे महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ के 18 जिलों में माल और यात्री आवाजाही में सुधार होगा, जिससे क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण मजबूत होगा।**

- **स्वीकृत गलियारों में शामिल हैं: महाराष्ट्र में वर्धा-भुसावल (तीसरी और चौथी लाइन, 314 किमी); महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में गोंदिया-डोंगरगढ़ (चौथी लाइन, 84 किमी); गुजरात और एमपी में वडोदरा-रतलाम (तीसरी और चौथी लाइन, 259 किमी); और एमपी में इटारसी-भोपाल-बीना (चौथी लाइन, 84 किमी), भीड़भाड़ और क्षमता की कमी को संबोधित करते हुए।**

- **इन परियोजनाओं से लगभग 85.84 लाख की कुल आबादी वाले 3,633 गांवों तक रेल पहुंच में सुधार होगा, जिसमें दो आकांक्षी जिले - मध्य प्रदेश में विदिशा और छत्तीसगढ़ में राजनांदगांव शामिल हैं - जिससे ग्रामीण संपर्क और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।**

**Key Points:-**

(i) उन्नत मार्ग कई प्रमुख सांस्कृतिक और प्राकृतिक स्थलों जैसे सांची स्तूप, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, हजारा जलप्रपात, मध्य प्रदेश में भीमबेटका रॉक शेल्टर्स और महाराष्ट्र में नवेगाँव राष्ट्रीय उद्यान को जोड़ेंगे, जिससे पर्यटन और स्थानीय आजीविका के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा।

(ii) इन परियोजनाओं से 78 मिलियन टन प्रति वर्ष (MTPA) की अतिरिक्त माल ढुलाई क्षमता सृजित होने की उम्मीद है, जिससे रसद दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, साथ ही तेल आयात में 28 करोड़ लीटर की कमी आएगी और कार्बन डाइऑक्साइड ($CO_2$) उत्सर्जन में लगभग 139 करोड़ किलोग्राम की कमी आएगी।

(iii) मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के PM गति शक्ति विजन के अनुरूप, ये रेलवे उन्नयन पर्यावरणीय लाभ के संदर्भ में छह करोड़ पेड़ लगाने के बराबर हैं, जो औद्योगिक और क्षेत्रीय विकास को गति देते हुए भारत के स्थिरता लक्ष्यों में योगदान करते हैं।

### 2. DRDO ने सैन्य संचार के लिए भारत का पहला 'भारतीय रेडियो सॉफ्टवेयर आर्किटेक्चर (IRSA) मानक 1.0' लॉन्च किया।

अक्टूबर 2025 में, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने एकीकृत रक्षा स्टाफ (IDS) और त्रि-सेवाओं - भारतीय सेना (IA), भारतीय नौसेना (IN), और भारतीय वायु सेना (IAF) के सहयोग से, DRDO भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान सैन्य संचार में अंतर-संचालन क्षमता बढ़ाने के लिए आधिकारिक तौर पर 'भारतीय रेडियो सॉफ्टवेयर आर्किटेक्चर (IRSA) मानक 1.0' जारी किया।

- **इस कार्यक्रम में रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग (DDR&D) के सचिव और DRDO के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (CISC) एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) गांधीनगर, गुजरात के निदेशक डॉ. रजत मूना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।**

- **भारतीय रेडियो सॉफ्टवेयर आर्किटेक्चर (IRSA) सॉफ्टवेयर परिभाषित रेडियो (SDRs) के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर मानक है, जो मानकीकृत इंटरफेस, एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (APIs), निष्पादन वातावरण और रक्षा संचार प्रणालियों में निर्बाध एकीकरण के लिए तरंग पोर्टेबिलिटी तंत्र को परिभाषित करता है।**

**Key Points:-**

(i) IRSA 1.0 का उद्देश्य वेवफॉर्म पोर्टेबिलिटी, SDR इंटरऑपरेबिलिटी सुनिश्चित करना और कई रक्षा प्लेटफार्मों में प्रमाणन और अनुरूपता के लिए एक ढांचा स्थापित करना है, जिससे तीनों सशस्त्र सेवाओं के बीच संयुक्त संचार क्षमता को मजबूत किया जा सके।

(ii) IRSA की पहल की अवधारणा 2021 में बनाई गई थी, जिसमें DRDO के नेतृत्व में एक मुख्य तकनीकी टीम ने 2022 में औपचारिक विकास शुरू किया था। विस्तृत समीक्षा और अंतर-एजेंसी परामर्श के बाद, IRSA 1.0 के अंतिम संस्करण को मंजूरी दी गई और 2025 में जारी किया गया।

(iii) IRSA 1.0 के शुभारंभ के साथ, भारत ने एसडीआर के लिए एक मानकीकृत सॉफ्टवेयर आर्किटेक्चर को परिभाषित करने वाला अपना पहला राष्ट्रीय विनिर्देश बनाकर एक प्रमुख उपलब्धि हासिल की, जो स्वदेशी और अंतर-संचालनीय सैन्य संचार प्रौद्योगिकी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

## INTERNATIONAL

### 1. ILO ने असमान वैश्विक प्रगति पर प्रकाश डालते हुए 'सामाजिक न्याय की स्थिति 2025' रिपोर्ट जारी की।

सितंबर 2025 में, इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन (ILO) ने 'द स्टेट ऑफ सोशल जस्टिस 2025: ए वर्क

इन प्रोग्रेस' नामक रिपोर्ट जारी की, जिसमें कहा गया कि दुनिया 1995 की तुलना में अधिक समृद्ध, स्वस्थ और शिक्षित है, लेकिन प्रगति असमान बनी हुई है, और असमानता कम करने में ठहराव है, जिससे लाभ सभी तक समान रूप से नहीं पहुंचे हैं। यह रिपोर्ट 2nd वर्ल्ड समिट फॉर सोशल डेवलपमेंट (WSSD) से पहले जारी की गई, जो नवंबर 2025 में दोहा, कतर में आयोजित होने वाली है।

- **5–14 वर्ष की आयु के बच्चों में बाल श्रम 1995 में 250 मिलियन से घटकर 2024 में 106 मिलियन हो गया है। इसी अवधि में बाल श्रम की दर 20.6% से घटकर 7.8% हो गई है, जो बच्चों को शोषणकारी कार्य से बचाने में महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है।**

- **1995 में अत्यधिक गरीबी की दर 4 में 1 व्यक्ति थी, जो 2023 में घटकर 1 में 10 रह गई है। वहीं, कामकाजी गरीबी 2000 में 27.9% से घटकर 2024 में 6.9% हो गई है, जो दुनिया भर में जीवन स्तर में सुधार को दर्शाता है।**

- **2000 के बाद से प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल पूर्णता दर में क्रमशः 10% और 22% की वृद्धि हुई है, जो वैश्विक शिक्षा तक पहुँच और उपलब्धियों में प्रगति को दर्शाता है।**

**Key Points:-**

(i) सुधार के बावजूद, लगभग 800 मिलियन लोग अब भी प्रति दिन USD 3 से कम पर जीवन यापन कर रहे हैं, और दुनिया के प्रत्येक चौथे व्यक्ति को सुरक्षित प्रबंधित पेयजल तक पहुँच नहीं है, जो सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों को दर्शाता है।

(ii) रिपोर्ट में यह भी उजागर किया गया कि दुनिया की कुल आय का 20% और कुल संपत्ति का 38% शीर्ष 1% आबादी के पास है, जो वैश्विक प्रगति के लाभों के असमान वितरण को दर्शाता है।

## BANKING & FINANCE

### 1. RBI के महानिदेशक टी. रबी शंकर ने भारत बिल भुगतान प्रणाली के साथ एफएक्स-रिटेल प्लेटफॉर्म को जोड़ने के लिए पायलट प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया।

अक्टूबर 2025 में, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के डिप्टी गवर्नर (DG) टी. रबी शंकर ने विदेशी मुद्रा लेनदेन में पहुंच और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए क्लियरकॉर्प डीलिंग सिस्टम्स (इंडिया) लिमिटेड (क्लियरकॉर्प) के फॉरेक्स (FX)-रिटेल प्लेटफॉर्म को भारत बिल भुगतान प्रणाली (भारत कनेक्ट) के साथ जोड़ने के लिए एक पायलट लॉन्च किया।

- **क्लियरकॉर्प द्वारा संचालित और 2019 में लॉन्च किए गए FX-रिटेल प्लेटफॉर्म का उद्देश्य व्यक्तिगत उपयोगकर्ताओं के लिए विदेशी मुद्रा मूल्य निर्धारण में अधिक पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना है। आरबीआई ने प्लेटफॉर्म की पहुँच बढ़ाने और उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने के लिए दिसंबर 2024 में इस लिंकेज का प्रस्ताव रखा था।**

- **पायलट को आधिकारिक तौर पर जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर, मुंबई, महाराष्ट्र में आयोजित ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (GFF) 2025 में लॉन्च किया गया, जिसमें RBI के फिनटेक एकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया।**

**• यह लिंकेज भाग लेने वाले बैंकों के साथ खाते रखने वाले व्यक्तिगत ग्राहकों को बैंकों के डिजिटल चैनलों और थर्ड पार्टी एप्लीकेशन प्रदाताओं (TPAPs) के माध्यम से एफएक्स-रिटेल प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण और लेनदेन करने में सक्षम बनाता है, जिससे एक सहज विदेशी मुद्रा व्यापार अनुभव मिलता है।**

**Key Points:-**

(i) यह पायलट प्रोजेक्ट एक्सिस बैंक, फेडरल बैंक, ICICI बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (SBI) और यस बैंक के ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। 'वैल्यू कैश' के आधार पर भारतीय रुपये के बदले अमेरिकी डॉलर खरीदने के लिए क्रेड और मोबिक्विक ऐप के माध्यम से लेनदेन किया जा सकता है।

(ii) यह प्लेटफॉर्म बाहरी धन प्रेषण, विदेशी मुद्रा कार्ड लोडिंग और विदेशी मुद्रा नोटों की भौतिक डिलीवरी का समर्थन करता है।

(iii) फेडरल बैंक और SBI के ग्राहक अपने इंटरनेट बैंकिंग अनुप्रयोगों के माध्यम से FX-रिटेल तक पहुंच सकते हैं, जिससे डिजिटल पहुंच और अधिक व्यापक हो जाएगी।

## 2. NPCI ने फिनटेक नवाचार को बढ़ावा देने के लिए नई टेक सहायक कंपनी 'NPCI टेक सॉल्यूशंस लिमिटेड' लॉन्च की।

अक्टूबर 2025 में, भारत में खुदरा भुगतान और निपटान प्रणालियों को विनियमित करने वाली सर्वोच्च संस्था, भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) ने अपनी नई सहायक कंपनी, NPCI टेक सॉल्यूशंस लिमिटेड (NTSL) की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य फिनटेक क्षेत्र में प्रयोग और अभूतपूर्व नवाचारों को बढ़ावा देना है। यह घोषणा महाराष्ट्र के मुंबई में आयोजित ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 में की गई।

**• NPCI टेक सॉल्यूशंस लिमिटेड (NTSL), जिसका मुख्यालय मुंबई, महाराष्ट्र में है, की स्थापना फिनटेक नवाचार को बढ़ावा देने, स्केलेबल भुगतान समाधान विकसित करने और भारत की विकसित डिजिटल अर्थव्यवस्था का समर्थन करने के लिए की गई है।**

**• NTSL अनुसंधान और विकास (R&D), नई भुगतान प्रौद्योगिकियों के प्रोटोटाइप, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI), रुपे और सीमा पार भुगतान सहित भुगतान प्रणालियों की अंतर-संचालनीयता को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करता है, जिससे निर्बाध डिजिटल लेनदेन की सुविधा मिलती है।**

**• NTSL ने 1.00 मिलियन रुपये की अधिकृत पूंजी और 0.50 मिलियन रुपये की चुकता पूंजी के साथ परिचालन शुरू किया, जिससे इसकी नवाचार-संचालित पहलों के लिए वित्तीय आधार उपलब्ध हुआ।**

**Key Points:-**

(i) कंपनी के निदेशक मंडल में अजय कुमार चौधरी, दिलीप अस्बे प्रताप, कृष्णमूर्ति विश्वनाथ और नितिन मिश्रा जैसे प्रमुख अधिकारी शामिल हैं, जो रणनीतिक मार्गदर्शन और शासन सुनिश्चित करते हैं।

(ii) NTSL, NPCI की सहायक कंपनियों की सूची में शामिल हो गई है, जिसमें NPCI भीम सर्विसेज लिमिटेड (NBSL), NPCI इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (NIPL) और NPCI भारत बिलपे लिमिटेड (NBBL) शामिल हैं, जो भारत के डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र के विविध पहलुओं में योगदान दे

रही हैं।

(iii) NPCI ने UPI पर क्रेडिट कार्ड, UPI पर क्रेडिट लाइन और UPI लाइट जैसे कई डिजिटल भुगतान उत्पादों में अग्रणी भूमिका निभाई है। NIPL के माध्यम से, यह एशिया, अफ्रीका, मध्य-पूर्व और यूरोप में UPI का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार कर रहा है, साथ ही यूपीआई और रुपे की वैश्विक स्वीकृति को बढ़ावा दे रहा है और सीमा-पार धन प्रेषण के लिए प्रणालियाँ विकसित कर रहा है।

## 3. बजाज फिनसर्व ने बीमा व्यवसायों का नाम बदलकर बजाज जनरल इंश्योरेंस और बजाज लाइफ इंश्योरेंस कर दिया है।

अक्टूबर 2025 में, बजाज फिनसर्व लिमिटेड (BFS) ने अपने बीमा व्यवसायों का नाम बदलकर बजाज जनरल इंश्योरेंस और बजाज लाइफ इंश्योरेंस कर दिया। इसके बाद, कंपनी ने अपने बीमा संयुक्त उद्यमों में एलियांज एसई की 26% हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया, जिससे BFS दोनों संस्थाओं का एकमात्र मालिक बन गया।

- **इससे पहले 2025 में, बजाज फिनसर्व ने अपने दो बीमा संयुक्त उद्यमों में एलियांज एसई की 26% हिस्सेदारी 24,180 करोड़ रुपये में हासिल कर ली थी, जिससे उसे पूर्ण स्वामित्व प्राप्त हुआ और ब्रांड पहचान और संचालन पर पूर्ण नियंत्रण प्राप्त हुआ।**
- **रीब्रांडिंग के साथ एक नया अभियान भी शुरू किया गया है: "100% बजाज। भारत में निर्मित। भारत के लिए निर्मित। भारत द्वारा निर्मित।" अपडेट किया गया लोगो एक बोल्ड, आधुनिक डिज़ाइन को दर्शाता है जो विश्वास, पारदर्शिता और ग्राहक-केंद्रित मूल्यों पर ज़ोर देता है।**
- **रीब्रांडिंग को कंपनी रजिस्ट्रार (RC), भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) और भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (IRDAI) सहित नियामक निकायों से सभी आवश्यक अनुमोदन प्राप्त हो गए हैं।**

## 4. SBI जनरल इंश्योरेंस ने 'हेल्थ अल्फा' लॉन्च किया - एक अनुकूलन योग्य DIY स्वास्थ्य बीमा योजना।

अक्टूबर 2025 में, भारतीय स्टेट बैंक (SBI) की सहायक कंपनी एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने 'हेल्थ अल्फा' लॉन्च किया, जो एक स्वयं-करें (DIY) स्वास्थ्य बीमा योजना है जो ग्राहकों को 50 से अधिक उपलब्ध विकल्पों में से अपने स्वास्थ्य कवरेज को वैयक्तिकृत करने में सक्षम बनाती है, जो भारत में स्वास्थ्य बीमा पेशकशों को आधुनिक बनाने की दिशा में एक कदम है।

- **हेल्थ अल्फा ग्राहकों को 50 से अधिक कवरेज विकल्पों में से चुनने की सुविधा प्रदान करता है, जिससे वे अपनी व्यक्तिगत स्वास्थ्य आवश्यकताओं**

**और वित्तीय लक्ष्यों के अनुरूप पॉलिसी डिजाइन कर सकते हैं, जिसमें कवरेज 5 लाख रुपये से शुरू होकर उच्च बीमा राशि तक बढ़ाया जा सकता है।**

**• इस योजना में एक वैकल्पिक कवरेज सुविधा शामिल है जो पॉलिसी अवधि के दौरान कोई दावा नहीं किए जाने की स्थिति में 10 गुना तक वार्षिक संयुक्त बोनस प्रदान करती है, जो पॉलिसीधारकों को अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए पुरस्कृत करती है।**

**Key Points:-**

(i) हेल्थ अल्फा ने एक अभिनव ऐड-ऑन पेश किया है जो जिम और खेल से संबंधित चोटों को कवर करता है, जिसमें मनोरंजन या फिटनेस गतिविधियों के दौरान होने वाली फिजियोथेरेपी, डायग्नोस्टिक परीक्षण, विशेषज्ञ परामर्श और प्रिस्क्रिप्शन दवाओं का खर्च शामिल है।

(ii) 'अग्रिम रूप से तैयारी' लाभ के अंतर्गत, पॉलिसीधारक नवविवाहित जीवनसाथी (35 वर्ष तक की आयु) और नवजात शिशुओं (दो बच्चों तक) के लिए प्रतीक्षा अवधि की निरंतरता बढ़ा सकते हैं, यदि विवाह या बच्चे के जन्म के 120 दिनों के भीतर नामांकन किया जाता है, जिससे व्यापक पारिवारिक सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

## ECONOMY & BUSINESS

### 1. विश्व बैंक ने 'साउथ एशिया अपडेट अक्टूबर 2025' रिपोर्ट में भारत की GDP अनुमान को FY26 के लिए 6.5% तक बढ़ाया।

अक्टूबर 2025 में, विश्व बैंक (World Bank – WB) ने अपनी द्विवार्षिक रिपोर्ट 'South Asia Update October 2025: Jobs, AI, and Trade' जारी की, जिसमें भारत की सकल घरेलू उत्पाद (GDP) वृद्धि दर का अनुमान FY2025-26 (FY26) के लिए बढ़ाकर 6.5% कर दिया गया है। यह पहले के 6.3% अनुमान से 20 बेसिस पॉइंट (bps) अधिक है। रिपोर्ट में भारत को दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में बताया गया है।

**• विश्व बैंक ने FY26 के लिए भारत की GDP वृद्धि दर को 6.5% तक बढ़ाया है। इसके पीछे मजबूत घरेलू खपत, कृषि उत्पादन में सुधार, और ग्रामीण मजदूरी में बढ़ोतरी को मुख्य कारण बताया गया है। यह संशोधित अनुमान भारत की वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच मजबूती को दर्शाता है।**

**• रिपोर्ट के अनुसार, भारत सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में तेज़ी से वृद्धि करता रहेगा। मजबूत आंतरिक मांग और संरचनात्मक सुधार इस वृद्धि को समर्थन देंगे। रिपोर्ट ने यह भी अनुमान लगाया कि भारत 2050 तक चीन को पीछे छोड़कर ऊर्जा मांग का सबसे बड़ा स्रोत बन जाएगा।**

**• हालांकि FY26 के लिए अनुमान बढ़ाया गया है, लेकिन विश्व बैंक ने FY27 की GDP वृद्धि दर का अनुमान 6.5% से घटाकर 6.3% कर दिया है। इसका कारण बताया गया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका**

**(USA) ने भारत के निर्यात पर लगभग तीन-चौथाई वस्तुओं पर 50% टैरिफ लगा दिया है।**

**Key Points:-**

(i) रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत के लगभग 20% माल निर्यात, जो GDP का लगभग 2% है, 2024 में USA को भेजे गए थे। इन नए शुल्कों से भारत के निर्यात राजस्व और औद्योगिक उत्पादन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना है, जिससे विकास दर में थोड़ी गिरावट आ सकती है।

(ii) विश्व बैंक ने दक्षिण एशिया की वृद्धि दर CY2025 में 6.6% और CY2026 में 5.8% रहने का अनुमान लगाया है। अन्य दक्षिण एशियाई देशों की अनुमानित GDP वृद्धि दरें इस प्रकार हैं – बांग्लादेश (CY25 में 4.8%, CY26 में 6.3%), नेपाल (2.1% और 4.7%), श्रीलंका (3.5% और 3.1%), भूटान (7.3% और 6.1%), और मालदीव (3.9% और 4%)।

## MOUs and Agreement

### 1. IIT मद्रास ने नौसेना प्रौद्योगिकी और महासागर इंजीनियरिंग को आगे बढ़ाने के लिए भारतीय नौसेना के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

अक्टूबर 2025 में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (IITमद्रास) और भारतीय नौसेना (IN) ने भारत की समुद्री क्षमताओं को मजबूत करने के उद्देश्य से उन्नत नौसेना प्रौद्योगिकियों, महासागर संरचनाओं और इंजीनियरिंग समाधानों को संयुक्त रूप से विकसित करने के लिए चेन्नई, तमिलनाडु (TN) में IIT मद्रास परिसर में एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए।

- **दोनों संस्थानों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों की उपस्थिति में, नौसेना परियोजना महानिदेशालय (DGNP), मुंबई के वरिष्ठ उप महानिदेशक (सीनियर DDG) और मुख्य अभियंता ब्रिगेडियर राजेश कारेल और IIT मद्रास के औद्योगिक परामर्श एवं प्रायोजित अनुसंधान (ICSR) के डीन (प्रभारी) प्रोफेसर अश्विन महालिंगम ने औपचारिक रूप से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।**

- **इस साझेदारी का उद्देश्य IIT मद्रास की अनुसंधान और नवाचार क्षमताओं को भारतीय नौसेना की परिचालन विशेषज्ञता के साथ एकीकृत करना है ताकि स्वदेशी प्रौद्योगिकियों का सह-विकास किया जा सके जो नौसेना की दक्षता, स्थिरता और तकनीकी आत्मनिर्भरता को बढ़ाए।**

**Key Points:-**

(i) IIT मद्रास और भारतीय नौसेना के सदस्यों वाली एक संयुक्त संचालन समिति (JSC) परियोजना निष्पादन की निगरानी करेगी, अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देगी, प्रोटोटाइप विकास को सक्षम करेगी और शिक्षा और रक्षा क्षेत्रों के बीच प्रभावी ज्ञान आदान-प्रदान सुनिश्चित करेगी।

(ii) यह सहयोग जहाज डिजाइन, हाइड्रोडायनामिक्स, महासागर संरचनात्मक लचीलापन, नौसेना प्रणालियों में नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण और महासागर इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकियों के कम्प्यूटेशनल और प्रयोगात्मक विश्लेषण जैसे प्रमुख क्षेत्रों को संबोधित करेगा।

(iii) IIT मद्रास का महासागर इंजीनियरिंग विभाग अत्याधुनिक अनुसंधान अवसंरचना प्रदान करता है, जिसमें एशिया के सबसे बड़े टोइंग टैंकों में से एक शामिल है, जो जहाज प्रतिरोध, प्रणोदन, समुद्री क्षमता

और गतिशीलता में अत्याधुनिक अध्ययन को सक्षम बनाता है - जो भारतीय नौसेना के उन्नत समुद्री नवाचारों की खोज का समर्थन करता है।

## AWARDS

### 1. 2025 रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार सुसुमु कितागावा, रिचर्ड रॉबसन और उमर म्वान्नेस याघी को धातु-कार्बनिक फ्रेमवर्क (MOFs) के लिए दिया जाएगा।

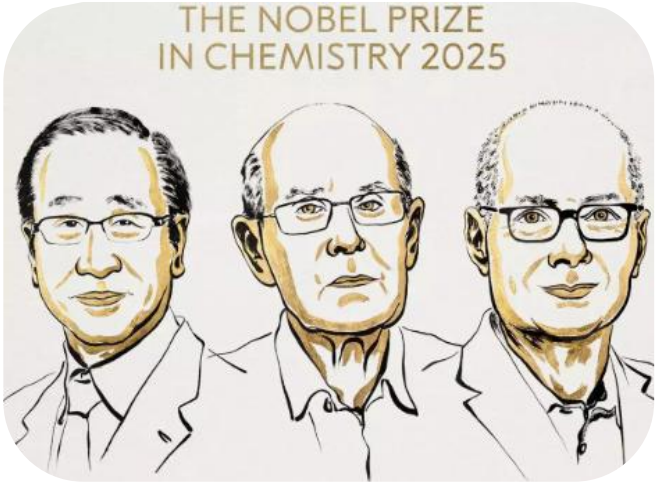


8 अक्टूबर 2025 को, रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज के महासचिव हंस एलेग्रेन ने घोषणा की कि 2025 का रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार जापानी रसायनज्ञ सुसुमु कितागावा, ऑस्ट्रेलियाई रसायनज्ञ रिचर्ड रॉबसन और जॉर्डन-अमेरिकी रसायनज्ञ उमर म्वान्नेस याघी को स्वीडन के स्टॉकहोम में आयोजित एक समारोह के दौरान मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क (MOFs) के अग्रणी विकास के लिए संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।

- **पुरस्कार विजेताओं को धातु-कार्बनिक फ्रेमवर्क (MOFs) पर उनके अभूतपूर्व कार्य के लिए सम्मानित किया गया - कार्बनिक लिंकर्स द्वारा जुड़े धातु आयनों से बने क्रिस्टलीय पदार्थ, जो असाधारण रूप से बड़े सतह क्षेत्रों के साथ एक अत्यधिक छिद्रपूर्ण नेटवर्क बनाते हैं।**
- **MOFs ने गैस भंडारण, पृथक्करण, उत्प्रेरकता, कार्बन कैप्चर, औषधि वितरण और पर्यावरण सुधार में अपने व्यापक अनुप्रयोगों के माध्यम से आधुनिक रसायन विज्ञान और पदार्थ विज्ञान में क्रांति ला दी है, जिससे वे स्वच्छ और टिकाऊ प्रौद्योगिकियों के लिए महत्वपूर्ण बन गए हैं।**

**Key Points:-**

(i) एमओएफ के विकास से $CO_2$ पृथक्करण, वायु और जल शुद्धिकरण, तथा नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में उन्नति हुई है, जिससे विश्व भर में पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ औद्योगिक प्रथाओं में महत्वपूर्ण योगदान मिला है।

(ii) 1901 में इसकी स्थापना के बाद से, रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार 2025 तक 200 पुरस्कार विजेताओं को 117 बार प्रदान किया जा चुका है, जो वैश्विक विज्ञान और नवाचार को बदलने वाले असाधारण योगदान को मान्यता देता है।

(iii) स्वीडिश मूर्तिकार एरिक लिंडबर्ग द्वारा डिज़ाइन किए गए नोबेल पदक में अल्फ्रेड नोबेल का बाएँ प्रोफ़ाइल वाला चित्र अंकित है। प्रत्येक पुरस्कार विजेता को एक स्वर्ण पदक, व्यक्तिगत डिप्लोमा और 2025 के लिए 11 मिलियन स्वीडिश क्रोनर (SEK) नकद पुरस्कार का एक हिस्सा मिलता है।

### 2. COAS जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने सामाजिक योगदान के लिए मोहनलाल को COAS प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया।

अक्टूबर 2025 में, थल सेनाध्यक्ष (COAS) जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मलयालम फिल्म सुपरस्टार और मानद लेफ्टिनेंट कर्नल मोहनलाल विश्वनाथन को सेना मुख्यालय, नई दिल्ली में सीओएएस प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। यह सम्मान उनके असाधारण सामाजिक योगदान और भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति उनके निरंतर समर्थन को मान्यता देता है।

**• मोहनलाल 16 वर्षों से भारतीय सेना से जुड़े रहे हैं और मई 2009 में उन्हें प्रादेशिक सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक प्रदान की गई थी, जो सशस्त्र बलों के प्रति उनकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।**

**Key Points:-**

(i) चार दशकों से अधिक के करियर के साथ, मोहनलाल ने मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी भाषाओं में 400 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है, जिससे वे भारत के सबसे प्रसिद्ध अभिनेताओं में से एक बन गए हैं।

(ii) कला और सिनेमा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें पद्म श्री (2001), पद्म भूषण (2019) और दादा साहब फाल्के पुरस्कार (2025) सहित प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

(iii) मोहनलाल विश्वशांति फाउंडेशन का नेतृत्व करते हैं, जो देश भर में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कौशल विकास, पर्यावरण संरक्षण और कल्याणकारी परियोजनाओं में पहल का समर्थन करता है, जो सामाजिक विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

## SUMMITS & CONFERENCE / COMMITTEES & MEETINGS

### 1. भारत सरकार ने भारत-AI इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन 2026 के लिए लोगो का अनावरण किया।

अक्टूबर 2025 में, भारत सरकार (GoI) ने भारत-कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) प्रभाव शिखर सम्मेलन 2026 के लिए आधिकारिक लोगो का अनावरण किया, जो 19 फरवरी से 20 फरवरी, 2026 तक नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। इस लोगो का चयन MyGov प्लेटफॉर्म पर आयोजित एक राष्ट्रीय लोगो डिज़ाइन प्रतियोगिता के माध्यम से किया गया था।

**• लोगो डिज़ाइन प्रतियोगिता MyGov पर 28 मई से 12 जून, 2025 तक चली। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के अंतर्गत उभरती प्रौद्योगिकी टीम ने अंतिम प्रविष्टियों की समीक्षा की और विजेता डिज़ाइन का चयन किया।**

**• 599 प्रविष्टियों में से, अजित पी. सुरेश द्वारा डिज़ाइन को भारत-AI इम्पैक्ट समिट 2026 के आधिकारिक लोगो के रूप में अंतिम रूप दिया गया।**

**Key Points:-**

(i) लोगो के केंद्र में अशोक चक्र है, जो नैतिक शासन, न्याय और संवैधानिक मूल्यों का प्रतीक है, तथा AI विकास में भारत के सिद्धांतों को दर्शाता है।

(ii) केंद्र से निकलने वाले न्यूरल नेटवर्क फ्लेयर्स उद्योगों, भाषाओं और भौगोलिक क्षेत्रों में AI के परिवर्तनकारी प्रभाव को दर्शाते हैं, जो समावेशी और व्यापक प्रगति पर जोर देते हैं।

(iii) रंग ढाल नवाचार, समावेशिता और विविधता का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि स्वच्छ और आधुनिक टाइपोग्राफी डिजिटल और प्रिंट प्लेटफार्मों पर स्पष्टता, विश्वास और प्रभावी स्मरण सुनिश्चित करती है।

## IMPORTANT DAYS

### 1. भारत सामाजिक-आर्थिक विकास में भारतीय डाक की भूमिका को उजागर करने के लिए 6 से 10 अक्टूबर तक राष्ट्रीय डाक सप्ताह (NPW) 2025 मनाया।

संचार मंत्रालय के तहत डाक विभाग (DoP), जिसे इंडिया पोस्ट के रूप में भी जाना जाता है, 6 से 10 अक्टूबर, 2025 तक राष्ट्रीय डाक सप्ताह (NPW) 2025 मना रहा है। यह आयोजन भारत की सामाजिक-आर्थिक प्रगति में डिजिटल परिवर्तन, वित्तीय समावेशन और सामुदायिक सेवा की दिशा में इंडिया पोस्ट के बढ़ते योगदान पर प्रकाश डालता है।

- **सप्ताह की शुरुआत प्रौद्योगिकी दिवस के साथ हुई, जिसमें भारतीय डाक के चल रहे डिजिटल परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित किया गया। कर्मचारियों को डिजिटल उपकरणों, डाक प्रौद्योगिकी और ई-कॉमर्स-एकीकृत डाक सेवाओं के बारे में प्रशिक्षित करने के लिए कार्यशालाएँ और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें डाक संचालन के आधुनिकीकरण को प्रदर्शित किया गया।**

- **दूसरे दिन वित्तीय समावेशन दिवस मनाया गया, जिसमें जागरूकता शिविरों और इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से ग्रामीण और वंचित आबादी तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाने में इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (IPPB) और पोस्ट ऑफिस सेविंग्स बैंक (POSB) की भूमिका पर जोर दिया गया।**

**Key Points:-**

(i) इस दिन, डाक टिकट संग्रह की संस्कृति को बढ़ावा देने और पारंपरिक संचार विधियों को संरक्षित करने के लिए देश भर में डाक टिकट प्रदर्शनियां, प्रतियोगिताएं और पत्र-लेखन सत्र आयोजित किए गए, साथ ही नागरिक-केंद्रित डाक पहलों पर भी प्रकाश डाला गया।

(ii) भारतीय डाक ने 9 अक्टूबर को "#लोगों के लिए पोस्ट - स्थानीय सेवा। वैश्विक पहुंच" थीम के तहत विश्व डाक दिवस 2025 मनाया।

(iii) अंतिम दिन, ग्राहक दिवस (10 अक्टूबर) में ग्राहक संतुष्टि, विश्वसनीयता और पहुंच के प्रति भारतीय डाक की प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया, जिससे डाक उपयोगकर्ताओं के साथ विश्वास और जुड़ाव मजबूत हुआ।

## 2. संयुक्त राष्ट्र 7 अक्टूबर को विश्व कपास दिवस 2025 मनाया, जिसमें वैश्विक अर्थव्यवस्था में कपास की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

संयुक्त राष्ट्र (UN) आर्थिक विकास, वैश्विक व्यापार और गरीबी उन्मूलन में कपास की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर देने के लिए प्रतिवर्ष 7 अक्टूबर को विश्व कपास दिवस (WCD) मनाता है। यह दिवस वैश्विक स्तर पर कपास क्षेत्र में तकनीकी नवाचारों, स्थिरता और प्रतिस्पर्धात्मकता पर भी प्रकाश डालता है।

- **विश्व कपास दिवस (WCD) की अवधारणा 2019 में चार उप-सहारा अफ्रीकी कपास उत्पादकों - बेनिन, बुर्किना फ़ासो, चाड और माली, जिन्हें सामूहिक रूप से कॉटन फ़ोर के रूप में जाना जाता है, द्वारा प्रस्तावित की गई थी। उन्होंने विश्व व्यापार संगठन (WTO) को सुझाव दिया कि 7 अक्टूबर को विश्व कपास दिवस के रूप में घोषित किया जाए।**

- **अगस्त 2021 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ने संकल्प A/RES/75/318 को अपनाया, जिसके तहत आधिकारिक तौर पर हर साल 7 अक्टूबर को विश्व कपास दिवस के रूप में मान्यता दी गई, जिससे इसके वैश्विक पालन को औपचारिक रूप दिया गया।**

- **पहला विश्व कपास दिवस 7 अक्टूबर 2021 को मनाया गया, जो कपास क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक महत्व की वार्षिक वैश्विक मान्यता की शुरुआत का प्रतीक है।**

**Key Points:-**

(i) 7 अक्टूबर 2025 को, संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) के रोम, इटली स्थित मुख्यालय में "हमारे जीवन का ताना-बाना" विषय पर WCD 2025 मनाया गया। कपास क्षेत्र की चुनौतियों और अवसरों पर केंद्रित इस कार्यक्रम का आयोजन चाड गणराज्य, FAO और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केंद्र (ITC) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था।

(ii) उसी दिन, भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय (MoT) ने भारतीय वस्त्र उद्योग परिसंघ (CITI) के सहयोग से नई दिल्ली में "कपास 2040: प्रौद्योगिकी, जलवायु और प्रतिस्पर्धात्मकता" विषय के अंतर्गत WCD मनाया, जिसमें भारत के कपास क्षेत्र में नवाचार, जलवायु लचीलापन और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता पर जोर दिया गया।

## BOOKS & AUTHORS

### 1. केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू ने नई दिल्ली में "अबव एंड बियॉन्ड - एक्सप्लोरिंग द अमेजिंग वर्ल्ड ऑफ एविएशन" पुस्तक का विमोचन किया।

7 अक्टूबर 2025 को, केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू, नागरिक उड्डयन मंत्रालय (MoCA) ने नई दिल्ली में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) के उप

महानिरीक्षक (DIG) शिव कुमार मोहनका द्वारा लिखित पुस्तक "अबव एंड बियॉन्ड - एक्सप्लोरिंग द अमेजिंग वर्ल्ड ऑफ एविएशन" का विमोचन किया। यह पुस्तक भारत की विमानन यात्रा पर प्रकाश डालती है और इस क्षेत्र की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने की रणनीतियों की पड़ताल करती है।

- **445 पृष्ठों की यह पुस्तक सपनों से लेकर मंजिलों तक भारत की विमानन यात्रा को दर्शाती है, जिसमें मील के पत्थर, तकनीकी प्रगति और नागरिक उड्डयन में देश की प्रगति को दर्शाया गया है।**

- **CISF में शिव कुमार मोहनका के 30 वर्षों के अनुभव पर आधारित, यह पुस्तक सुरक्षा, संचालन और बुनियादी ढाँचे के विकास सहित भारतीय विमानन क्षेत्र पर एक विस्तृत और प्रामाणिक दृष्टिकोण प्रदान करती है।**

- **इस पुस्तक में 1,500 भारतीय यात्रियों के सर्वेक्षण के निष्कर्षों को शामिल किया गया है, जो यात्रियों के अनुभवों पर अंतर्दृष्टि प्रदान करता है और सुझाव देता है कि भारत का विमानन पारिस्थितिकी तंत्र अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करने के लिए कैसे विकसित हो सकता है।**

## Static GK

| | | |
|---|---|---|
| **Maharashtra** | मुख्यमंत्री (CM) : देवेंद्र फडणवीस | राज्यपाल : आचार्य देवव्रत |
| **DRDO** | अध्यक्ष: डॉ. समीर वी. कामत | मुख्यालय: नई दिल्ली |
| **RBI** | राज्यपाल: संजय मल्होत्रा | मुख्यालय: मुंबई |
| **World Bank (WB)** | अध्यक्ष : अजय बंगा | मुख्यालय : वाशिंगटन, डीसी, संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) |